MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY & SCIENCE,GWALIOR

(DEEMED UNIVERSITY , NAAC ACCREDITED WITH A++ GRADE)

NEWSLETTER

april-june 2025

Editorial Board MemberS:

Faculty MemberS:

Dr .Manish Dixit, Prof. & Head (Chairman)

Prof. Amit Kumar Manjhvar

Student MemberS:

Pushkal Sharma 0901CS231107(CSE,3rd Year)

Sujas Sharma 0901CS231140(CSE,3rd Year)

Yogesh Shrivastava 0901CS231157(CSE,3rd Year)

Contents

- Department Vision
- Mission
- Opening IEI
- Publications
- Media Coverage
-

DEPARTMENT VISION

"To create professionally competent and socially responsible technocrats with latest knowledge and innovative ideas to uplift the academia, industry and society."

DEPARTMENT MISSION

- To achieve academic excellence by imparting in-depth knowledge to the students through effective pedagogies and practical exposure on latest tools and technologies.
- To provide environment & opportunity for students to bring out their inherent talents for their overall development through training programs, workshops, projects and internships.
- To promote innovative research in Computer Science and Engineering and interdisciplinary domains to cater the needs of the Government, Industry and Society.
- To Educate and nurture entrepreneurial and ethical values through guidance and support.

OPENING IEI STUDENT CHAPTER

004195

474005/MITS/CS

The Institution of Engineers (India)

is pleased to establish Students' Chapter at the

Department of Computer Science & Engineering

Madhav Institute of Technology & Science (Deemed to be University)

Gwalior, Madhya Pradesh

Issued on : 29 May 2025
Valid up to : 28 May 2026

SECRETARY & DIRECTOR GENERAL

PUBLICATION DETAILS

PUBLICATION DETAILS

SCOPUS INDEXED JOURNALS:

1. Roy, M., Baruah, U., Sharma, S., et al. (2025). *Enhancing Predictive Modeling Using CT and CXR Images: A Review of Lung Disease Detection and Experimental Insights*. SN Computer Science. DOI: 10.1007/s42979-025-04041-x (Scopus Indexed)
2. Sharma, S., Dangi, D., Dixit, D. K., Gupta, R., Kumar, J., & Bhagat, A. (2025). *Utilization of hesitant and intuitionistic fuzzy sets (HFS-IFS) in computational intelligence for decision modeling*. International Journal of Information Technology, 1-8. DOI: https://doi.org/10.1007/s41870-025-02552-7

SCI INDEXED JOURNALS:

1. *Gupta, S., Roy, M., et al. (2025). 3-D Attractor Reconstruction for Enhanced ECG Classification of Arrhythmia and Congestive Heart Failure. IEEE Sensors Journal. DOI: 10.1109/JSEN.2025.3572080 (SCI Indexed)*
2. *Ayushi Vaidhy, Deepak Batham, Rachit Jain, Amit Kumar Manjhwar (2025). Machine Learning-Driven Statistical Analysis of Indian Restaurants: Insights from the Zomato Dataset. Facta Universitatis, Series: Electronics and Energetics, Vol. 38, No. 2, pp. 355-374. DOI: https://doi.org/10.2298/FUEE2502355V, ISSN 0353-3670*

CONFERENCE:

1. Abhidha Joshi, Rohit Agrawal, Nitin Arvind Shelke, Adarsh Singh Jadon (2025). Effective Content Moderation: A Framework for Toxic Comment Analysis Using Machine Learning. 2025 International Conference on Next Generation Information System Engineering (NGISE), Ghaziabad, Delhi (NCR), India, pp. 1-7. DOI: https://doi.org/10.1109/NGISE64126.2025.11085366

BOOK CHAPTER:

Dangi, D., Suman, V., Bhagat, A., & Dixit, D. K. (2025). Computer Vision and Artificial Intelligence for Intelligence Automation Systems (IAS). In Handbook of Intelligent Automation Systems Using Computer Vision and Artificial Intelligence, pp. 227-246.

FDP ATTENDED

1. Dr. Smita Parte successfully participated in a 5-day Faculty Development Program on **Generative AI with LLM**, held from 7th July to 11th July 2025, organized by STEP – National Institute of Technology Karnataka in association with Pantech e Learning.
2. Dr. Smita Parte successfully participated and completed a one-week FDP program on **Integrating Swarm Intelligence and Machine Learning**, organized by Panimalar Engineering College in association with Pantech e Learning.

INDUSTRIAL TRAINING:

1. Dr. Smita Parte successfully completed two weeks, duration 20/05/2025 to 05/06/2025, conducted by NIELIT Gorakkhpur.
2. Dr. Smita Parte successfully completed two weeks industrial training on Cloud Computing with Amazon Web Services.

NPTEL COURSES:

Dr. Rahul Dubey has been awarded as NPTEL Discipline star from IIT Kanpur.

media coverage

#CulturalProgram: एमआइटीएस में श्रुति अमृत कार्यक्रम में कलाकारों ने बांधा समां

महिलाओं की वेशभूषा में युवाओं ने किया नृत्य, राधा-कृष्ण, जगन्नाथ की मुद्राएं बनाईं

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. माधव तकनीकी एवं विज्ञान संस्थान का नजारा शनिवार को अलग रहा। तकनीकी संस्थान में इस दिन कव्वाली और नृत्य की अनुपम छटा बिखरी। बाहर से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से हर एक का दिल जीता। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्पिक मैके की ओर से दो दिवसीय श्रुति अमृत कार्यक्रम का शुभारंभ इस दिन हुआ।

इस मौके पर उड़ीसा से पधारे विजय कुमार साहू एवं उनके समूह ने प्राचीन ओडिसी लोक नृत्य गोटिपुआ प्रस्तुत किया। वहीं रामपुर से पधारे मोहम्मद अहमद वारसी एवं उनके समूह ने कव्वाली की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को मंत्र मुग्ध किया।

ऑडियंस के लिए आश्चर्य भरा रहा गोटिपुआ नृत्य

गोटिपुआ नृत्य में 12 कलाकारों ने भाग लिया। इन सभी युवाओं ने महिलाओं की वेशभूषा में नृत्य किया, जो सभी के लिए आश्चर्य भरा रहा। इन कलाकारों ने भगवान की मुद्राएं बनाई। दल के प्रमुख विजय कुमार ने बताया कि यह उड़ीसा का पारम्परिक नृत्य है, जो अधिकतर जगन्नाथ मंदिर में सदियों से युवाओं द्वारा किया जाता है। इसमें युवा महिलाओं के वेश में भगवान श्रीजगन्नाथ और भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति करते हैं। इसमें समूह राधा और कृष्ण के जीवन से प्रेरित होकर कलाबाजी दिखाते हैं।

छाप तिलक सब छीनी...

अब प्रस्तुति थी मोहम्मद अहमद वारसी एवं उनके समूह की। उन्होंने कव्वाली की शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। शुरुआत अल्ला हो अल्ला हो... से की। इसके बाद उन्होंने भर दे झोली या मोहम्मद... सुनाया। ऑडियंस की फरमाइश पर अगली प्रस्तुति उनकी छाप तिलक सब छीनी... सुनाया, जिसे सभी दोहराते नजर आए। एक के बाद एक प्रस्तुतियां देकर कलाकारों ने खूब तालियां बटोरीं।

पंडित उलहास कशालकर का गायन आज

इसी क्रम में रविवार को शाम 6 बजे से डीआर राजम का वादन, रूपक कुलकर्णी का बांसुरी वादन एवं पंडित उलहास कशालकर का गायन होगा।

media coverage

#engineersday बीटेक फोर्थ ईयर के छात्रों का नवाचार

इंजीनियर्स ने 1 साल में बनाए पांच सॉफ्टवेयर, कॉलेज में हो रहे उपयोग

पत्रिका रीडर्स फेस्ट

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

ग्वालियर. देश के विकास में इंजीनियर्स का बहुत बड़ा योगदान रहा है। यह क्रम आज भी जारी है। युवावस्था में ही इंजीनियर ऐसी तकनीक डवलप कर रहे हैं, जिससे सुविधाएं बढ़ सकें और लाइफ आसान हो सके। एमआइटीएस के इन आठ छात्रों ने पढ़ाई के दौरान ही पांच सॉफ्टवेयर डवलप किए, जो आज संस्थान में उपयोग हो रहे हैं। इनकी मदद से कॉलेज प्रबंधन, छात्र और फैकल्टी को सुविधा हुई है। ये सभी छात्र बीटेक फोर्थ ईयर में अध्ययनरत हैं। उनके इस सॉफ्टवेयर की डिमांड बाहर भी है।

लाइब्रेरी अब फोन पर

लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम : इसे छात्र नवीन मित्तल ने तैयार किया है। इसकी मदद से पूरी लाइब्रेरी आपके फोन पर अवेलेबल है। बुक का स्टेटस, लाइब्रेरी में बुक जमा करने का स्टेटस, लाइब्रेरी में बुक अवेलेबिलिटी आदि देख सकते हैं। इसके साथ ही यदि छात्र का आई कार्ड खोता है तो वह अपने बारकोड से बुक इश्यू करा सकता है।

पांच मिनट में सिटिंग

एग्जाम सिटिंग अरेंजमेंट सिस्टम : इस सिस्टम को छात्र नवीन मित्तल, निशांक शाक्यवर, ऋषभ नायक ने तैयार किया है। इसकी मदद से एग्जाम में छात्रों के बैठने का अरेंजमेंट 5 मिनट का अंदर हो जाता है। इसमें अलग-अलग सब्जेक्ट के हिसाब से छात्रों की सिटिंग होती है। सारी रिपोर्ट इसी सॉफ्टवेयर से जनरेट होती हैं।

सीएलसी सॉफ्टवेयर : इसे छात्र नवीन मित्तल और भरत शर्मा ने तैयार किया है। इसका फायदा यह रहा कि कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) में छात्र को सीट कैप्चर करने से लेकर कॉलेज आने तक काफी समय खराब करना होता था। लेकिन इस सॉफ्टवेयर की मदद से समय की काफी बचत हो रही है।

इस सॉफ्टवेयर से एनालिसिस संभव

एनईसी रजिस्ट्रेशन पोर्टल : इस सॉफ्टवेयर को छात्र अमित राजावत, अनुराग दुबे और ऋषभ नायक ने तैयार किया है। नॉबेल इंगेजिंग कोर्स (एनईसी) के रजिस्ट्रेशन अभी गूगल फॉर्म पर होते थे, जिससे एनालिसिस में परेशानी होती थी। इस पर इन्होंने सॉफ्टवेयर तैयार किया, जिससे रजिस्ट्रेशन, कोर्स एसाइनमेंट, ऑटोमैटिक कोर्स लॉक और एनालिसिस संभव हो सका। इससे काफी सहूलियत हो गई।

हैक नहीं हो सकेगा अब

नेट ऑथ सॉफ्टवेयर : इस सॉफ्टवेयर को छात्र संस्कार गुप्ता, अमन द्विवेदी ने तैयार किया है। इसकी मदद से बाहर का कोई भी व्यक्ति हाई स्पीड नेटवर्क को एक्सेस नहीं कर सकता। फैकल्टी और छात्रों को यूजर आइडी दिया गया है, वे ही उसे एक्सेस कर सकते हैं। इस सिस्टम को कोई हैक भी नहीं कर सकता। पहले इतनी सिक्योरिटी नहीं थी।

एजुकेशन | एमआइटीएस में गेट टॉपर्स समिट में शामिल हुए एल्युमिनाई

आपने जो सपने देखे हैं, वे पूरे होंगे, लक्ष्य से भ्रमित न हों

ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

ग्वालियर. एमआइटीएस के एएएसएफ फोरम की ओर से को गेट टॉपर्स समिट हुई। इसमें पांच गेट रैंकर्स को अपने अनुभव और संघर्ष साझा किए। ये सभी एमआइटीएस से पासआउट थे, जो एल्युमिनाई की भूमिका में छात्रों को गाइड कर रहे हैं। स्पीकर कार्तिकेय कुमार ने बताया कि उन्हें प्लेसमेंट में परेशानी हुई, लेकिन सफलता मिली। कोचिंग के बिना तैयारी के मैंने गेट क्लियर किया। स्पीकर आकाश कुमार वर्मा ने बताया कि जब मैं परीक्षा की तैयारी कर रहा था, तब लगभग 70 टेस्ट सीरीज का अभ्यास किया, फिर भी मेरा स्कोर अच्छा नहीं था। लेकिन हार नहीं मानी, मेहनत की और सफलता पाई। स्पीकर पवित्र खरे ने बताया कि मैंने गेट एग्जाम से 4 महीने पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने गेट के लिए 3 घंटे और डीएसए के लिए 3 घंटे का समय दिया। स्पीकर अनिल कुमार चौधरी ने बताया कि गेट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद साक्षात्कार के लिए बैंगलूरु से कॉल आया। यह मेरी मेहनत का परिणाम था। रिपुदमन प्रजापति ने बताया कि शिक्षकों से डाउट पूछने से तैयारी में मदद मिली।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता

स्पीकर्स ने छात्रों को समझाते हुए कहा कि आप जो चाहते हैं, वे ही होगा। बस अपने लक्ष्य से भ्रमित न हों। खूब मेहनत करें। लाइफ को एंजॉय करने के लिए पूरा जीवन है। अभी समय केवल पढकर आगे बढने का है। उस पर ध्यान दें। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. आरके पंडित ने कहा कि छात्रों में असीम ऊर्जा होती है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इस अवसर पर फोरम के प्रेसीडेंट सचिन धाकड़, समन्वयक आदित्य पांडे, गोविंद सविता उपस्थित रहे। संचालन प्रो. मनीषा पाठक ने किया।